

#### ग्रसाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II---सुब्ह 3--इपसुब्ह (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

माविकार से मकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 387]

नच्चे दिल्ली, शनिवार, अवस्थर 27, 1976/प्रश्रहायण 6, 1898

No. 387]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 27, 1976/AGRAHAYANA 6, 1898

## इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या दी आती हैं जिससे कि कह अक्षण संबंक्तम के क्रय में रक्का का कर्क।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November, 1976

G. S. R. 900 (E).—The following draft of rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), and after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section (1) of the said section 23 for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of 45 days from the date on which the copies of this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT RULES

1. These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1976.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, for rule 22, the following rule shall be substituted, namely:—

22. Quantity of samples to be sent for analysis.—The quantity of the samples to be sent to the Public Analyst or the Director shall be sufficient for the

required analysis."

Provided that the quantity of samples sent to the Public Analyst or the Director shalf be considered as adequate unless the Public Analyst or the Director, as the case may be, reports to the effect that the quantity of sample was inadequate for the purpose of analysis.

[No. P. 15014/2/76-PH(F&N)] SHRAVAN KUMAR, Jt. Secy.

# स्वास्थ्य भौर परिवार नियोजन मंत्रालव (स्वास्थ्य विभाग)

# प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवस्वर, 1976

सा० का० कि० 900 (क्). — केन्द्रीय सरकार खाद्य अपिभश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य प्रपिश्रण निवारण नियम 1955 में कितिपय ग्रीर संगोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा 23 की उपधारा (1) में अपिक्षत है, प्रस्तावित संगोधनों का निम्निलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाणित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि नियमों के उक्त प्रारूप पर जनता को दस अधिसूचना की प्रतियां उपलब्ध कराने की तारीख से पैतालीस दिन की समाप्ति पर विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिदिष्ट अविध की समाप्ति से पूर्व निथमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी ग्राक्षेप या सुझाब किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी। नियमों का प्रारूप

- 1. इन नियमों का नाम खाद्य प्रथमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1976 है।
- 2. खास अपिमश्रण निवारण निवम, 1955 में, नियम 22 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात :--
  - "22. विश्वलेषण के लिए भेजे जाने वाले कानूनों की मात्रा.—लोक विश्लेषक या निदेशक की भेजे जाने वाले तमूनों का माला, अपेक्षित विश्लेषण के लिए पर्याप्त होगी"।

परन्तु लोक विश्लेषक या निदेशक को भेजे गये नमूने की मात्रा जब तक, यथारियति, लोक विश्लेषक या निदेशक इस प्रभाव की रिपोर्ट न दे कि नमूना, विश्लेषण के प्रयोजनार्थ अपर्याप्त है, पर्याप्त समझी जाएगी।

[सं० पी० 15014/2/76—पी० एच० (एफ० एण्ड एन०)]

श्रावण कुमार, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976